हिमाचल अभी अभी

ABHI ABHI

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

गरुड़ पुराण...

-पढ़ें पेज 2 पर

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 7 अंक 01 धर्मशाला। शनिवार, 31 जुलाई-06 अगस्त, 2021 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 16 श्रावण, विक्रमी संवत् 2078 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 Postal Regn.No. DGPUR/26/15-17

कामिका एकादशी

सावन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को कामिका एकादशी कहते हैं। कामिका एकादशी व्रत में पूरे दिन उपवास रखकर भगवान विष्णु की उपासना की जाती है। हालांकि इस समय चातुर्मास चल रहा है। इसके बादजूद इस दौरान धार्मिक कार्य या पूजा पाठ जैसे कार्य वर्जित नहीं होते है। धार्मिक मान्यता है कि कामिका एकादशी व्रत करने से लोगों की सभी मनोकामनाए पूरी होती है और उसके समस्त पापों का नाश हो जाता है।

शुभ मुहूर्त : हिंदी पंचांग के अनुसार, सावन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 03 अगस्त दिन मंगलवार को दोपहर 12 बजकर 59 मिनट से प्रारंभ होगी और यह अगले दिन यानी 4 अगस्त दिन बुधवार को दोपहर 03 बजकर 17 मिनट पर समाप्त होगी। पंचांग के अनुसार, इस दिन प्रातः काल 05:44 बजे से लेकर अगले दिन 05 अगस्त को प्रातः 04:25 बजे तक सर्वार्थ सिद्धि योग है। ऐसे में इस वर्ष कामिका एकादशी व्रत सर्वार्थ सिद्धि योग में रखा जाएगा।

कामिका एकादशी के दिन श्रीहरि की पूजा करना बेहद लाभकारी माना जाता है। विष्णु जी के प्रताप से सारे अधूरे कार्य पूरे होते हैं। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से न केवल भक्त को लाभ होता है, बल्कि उसके पूर्वजों के कष्ट भी दूर होते हैं। इस अवसर पर किसी तीर्थ स्थान पर जाकर किसी नदी, तालाब अथवा सरोवर में स्नान करने से अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य की प्राप्ति होती है।